एक रोचक अवसर उन बच्चों के लिए, जो हमारे भविष्य के लेखक हैं

साहित्य अकादेमी

साहित्य अकादेमी

हिंदी और अंग्रेज़ी में रचनात्मक लेखन पर वार्षिक कार्यशाला

क़िस्सा–ओ–कलम : बोलती कलम

के चौथा संस्करण का आयोजन कर रही है

दिनांक : 29 मई 2023 से 02 जून 2023 (सोमवार – शुक्रवार)

समय : पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक (प्रतिदिन 3 घंटे)

आयु : 8 वर्ष से 16 वर्ष

अनुभूति और अभिव्यक्ति : प्रतिकूल समय में रचनात्मक लेखन
विषय पर कार्यशाला

अर्चना अत्रि से विशेष संवाद

चंदना दत्ता तथा वंदना बिष्ट द्वारा कार्यशाला का संचालन

स्थान : साहित्य अकादेमी, रवींद्र भवन, 35, फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली–110001

50 बच्चों के लिए सीमित सीटें।

प्रक्रिया : इस रोचक कार्यशाला में भाग लेने के लिए जल्द से जल्द पंजीकरण प्रपत्र भरें।

पंजीकृत प्रतिभागियों को बातचीत के लिए **20 मई 2023 को अपराह्न 2.00 बजे से** बुलाया जाएगा।

चयनित प्रतिभागियों की अंतिम सूची वेबसाइट पर **24 मई 2023** को उपलब्ध करवाई जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए और पंजीकरण प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट पर जाएँ।

वेबसाइट www.sahitya-akademi.gov.in

अथवा संपर्क करें : सुश्री पायल बोहरा (दूरभाश : 011–23387064, 23073002)

कार्यशाला में भाग लेने वाले बच्चों को प्रतिभागिता प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाएगा।

लेखन सामग्री तथा जलपान भी प्रदान किया जाएगा।

साहित्य अकादेमी

क़िस्सा–ओ–कलम : बोलती कलम 2023

के लिए

पंजीकरण प्रपत्र

(डाउनलोड करने तथा भरने के लिए)

छात्र का नाम : .....

आयु : .....

लिंग : .....

विद्यालय का नाम : .....

कक्षा : .....

पता : .....

माता/पिता का नाम : .....

माता/पिता का संपर्क विवरण : .....

पंजीकरण की अंतिम तिथि : **20 मई 2023, मध्याह्न 12.00 बजे तक**

पंजीकृत प्रतिभागियों को बातचीत के लिए दिनांक **20 मई 2023** को **अपराह्न 2.00 बजे** बुलाया जाएगा। प्रतिभागियों की अंतिम सूची को साहित्य अकादेमी की वेबसाइट www-sahitya-akademi.gov.in पर **24 मई 2023** को अपलोड किया जाएगा।

कृपया प्रपत्र के साथ 500/– रुपये की (अप्रतिदेय) नकद राशि पंजीकरण शुल्क के रूप में साहित्य अकादेमी कार्यालय में जमा करें।

कार्यशाला में भाग लेने वाले बच्चों को प्रतिभागिता प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रतिभागी प्रमाण–पत्र प्राप्त करने के लिए समस्त प्रतिभागियों को प्रतिदिन उपस्थित होना होगा।

अन्य विवरण के लिए, कृपया संपर्क करें : सुश्री पायल वोहरा, सचिव कार्यालय (दूरभाष : 011–23387064, 23073002)

साहित्य अकादेमी

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी, राष्ट्रीय साहित्य संस्थान, नई दिल्ली, ने हिंदी और अंग्रेजो में रचनात्मक लेखन पर बच्चों के लिए एक वार्षिक कार्यशाला किस्सा–ओ–कलम : बोलती कलम का अपना चौथा संस्करण फिर से प्रारंभ किया है।

हमारी युवा पीढ़ी को हमारी भाषाओं तथा साहित्य के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए अकादेमी द्वारा अपनी तरह की प्रथम पहल के रूप में, क़िस्सा–ओ–कलम को 2017 में लॉन्च किया गया था तथा 2019 तक इस शृंखला की 3 कार्यशालाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था। इस शृंखला को महामारी के कारण बंद करना पड़ा था। अकादेमी इस शृंखला को एक बार पुनः आरंभ करके प्रसन्नता का अनुभव कर रही है।

यह पहल, **किस्सा–ओ–कलम : बोलती कलम**, हमारे बच्चों, हमारे नवोदित लेखकों तथा कल के विचारकों को पुस्तकों की दुनिया में पढ़ने–लिखने के रचनात्मक क्षेत्रों में सहभागिता तथा आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित करने की ओर एक कदम है। 29 मई से 02 जून 2023 (सोमवार से शुक्रवार) तक नई दिल्ली में चलने वाली 5–दिवसीय कार्यशाला बच्चों को पढ़ने–लिखने तथा भाषा का आनंद लेने और पुस्तकों की सृजन की दिशा में उन्हें रचनात्मक रूप से मदद करने की ओर पहला कदम है।

साहित्य अकादेमी, राष्ट्रीय साहित्य संस्थान की स्थापना 1954 में हुई। यह देश में साहित्यिक संवाद, प्रकाशन तथा प्रचार की केंद्रीय संस्था है, तथा यह एकमात्र संस्था है जो अंग्रेज़ी सहित 24 भारतीय भाषाओं में साहित्यिक गतिविधियाँ करती है। अपने गतिशील अस्तित्व के 69 वर्षों में, इसने विभिन्न भाषायी और साहित्यिक क्षेत्रों तथा समूहों के बीच अंतरंग संवाद को जीवंत रखने के लिए अच्छे आस्वाद तथा स्वस्थ पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देने का निरंतर प्रयास किया है।

बच्चों की यह ग्रीष्मकालीन कार्यशाला विशेष रूप से उन बच्चों के लिए आयोजित की गई है जो समूह के साथ–साथ व्यक्तिगत रूप से संवाद कर सकें तथा इन पाँच दिनों में अपने दम पर कुछ नया करके दिखा सकें।

कार्यशाला का शीर्षक :
अनुभूति और अभिव्यक्ति : प्रतिकूल समय में रचनात्मक लेखन

महामारी का समय हम सभी के लिए मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से निष्ठुर रहा है। इसमें बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हुए, क्योंकि वे जिन सब से परिचित थे, उनसे उनका संपर्क बिना सूचना और स्पष्टीकरण के बंद हो गया। उनकी दुनिया उलटपुलट हो गई और जब यह फिर से सामान्य हुई, तो चीज़ें पहले जैसी नहीं थीं। यह कार्यशाला किंत्सुगी की जापानी कला से प्रेरित है, जो टूटे हुए मिट्टी के बर्तनों को पिघले हुए सोने से ठीक करके मरम्मत करने की कला है। इस प्रकार यह कला उपचार के लिए एक रूपक बन जाती है और हमारी धारणा को बदल देती है कि एक कष्टदायक अथवा दर्दनाक घटना का अनुभव करने के बाद एक साथ होने का क्या अर्थ होता है। हमें अपनी त्रुटियों और कमियों को, अपने टूटे हुए अंशों को छिपाने की आवश्यकता नहीं है, तथा फिर भी यदि हम इनका सुधार सोने के प्रयोग से करें तो हमें आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त होंगे। यह कार्यशाला बच्चों को प्रतिकूल परिस्थितियों के बारे में बात करने तथा रचनात्मक लेखन और अभिव्यक्ति के माध्यम से सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने में सक्षम बनाएगी।

दिनांक : 29 मई –02 जून 2023 (सोमवार – शुक्रवार)

समय : पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक। (प्रतिदिन 3 घंटे)

आयु : 8 वर्ष से 16 वर्ष

स्थान : साहित्य अकादेमी, रवींद्र भवन, 35, फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली – 110001

कार्यशाला में 50 बच्चों के लिए सीमित सीटें हैं।

इस रोचक कार्यशाला में भाग लेने के लिए बच्चे जल्द से जल्द पंजीकरण प्रपत्र भरें। साहित्य अकादेमी परिसर में पंजीकृत प्रतिभागियों को बातचीत के लिए बुलाया जाएगा, उनमें से चयनित बच्चों की अंतिम सूची साहित्य अकादेमी की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई जाएगी तथा कार्यशाला पूरी करने वाले बच्चों को प्रतिभागिता प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाएगा।

पाँच दिवसीय कार्यशाला का संचालन चंदना दत्ता और वंदना बिष्ट द्वारा किया जाएगा। कार्यशाला के दौरान बाल साहित्य विशेषज्ञ अर्चना अत्रि के साथ तीन घंटे का विशेष संवाद कार्यक्रम होगा, जो दो दशकों से अधिक समय से इस क्षेत्र में कार्य कर रही हैं।

कार्यशाला, पंजीकरण प्रपत्र, प्रक्रिया तथा तिथियों की अधिक जानकारी के लिए कृपया साहित्य अकादेमी की वेबसाइट : www.sahitya-akademi.gov.in देखें अथवा सुश्री पायल वोहरा से संपर्क करें (दूरभाष : 011–23387064, 23073002)।